अहमदाबाद में धूमधाम से पर्यूषण पर्व सम्पन्न

श्रेयांश जैन धर्मसैया, अहमदाबाद । श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धनलक्ष्मी सोसायटी ओढ़व में ब्र. श्री जिनेश मलैया (प्रधान संपादक संस्कार सागर) इन्दौर के सानिध्य में श्री पर्यूषण पर्व पर आध्यात्म प्रवचन, श्री दशलक्षण विधान व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगितायें भव्यता से संपन्न हुई। काफी संख्या में विधान में बैठने का साधर्मी बंधुओं को सौभाग्य प्राप्त हुआ। विविध प्रतियोगिता हुई, विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार भी वितरित किये गये। अंतिम दिन श्रीजी की विशाल शोभायात्रा पश्चात स्वामी वात्सल्य आयोजन हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

शुचिता जैन
11 उपवास

अनिता जैन
10 उपवास

कपिल जैन
5 उपवास

नरेश जैन
5 उपवास

नम्रता जैन
5उपवास

हरिशचंद बी. जैन, अंबिका नगर। श्री 1008 श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अंबिका नगर, ओढ़व में पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के सुअवसर पर पं. श्री राजेन्द्रकुमारजी शास्त्री (टीकमगढ़वालों) के तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजन, दोपहर तत्वार्थ सूत्र का वाचन एवं सायंकाल संगीत नृत्य के साथ भव्य आरती, प्रवचन एवं प्रतियोगिता संपन्न हुई। पर्व की पूर्णाहुति पर रथयात्रा, क्षमावाणी एवं स्वामी वात्सल्य भी हुआ।

श्री मंदिरजी अंतर्गत श्री 108 श्री विद्यासागर एज्युकेशन ट्रस्ट (संत निवास) आधुनिक सुविधायुक्त बनकर पूर्णरूप से तैयार हो गया है। जिसका शुभ उद्घाटन आचार्यश्री के जन्मदिवस शरद पूर्णिमा दिनांक 18 अक्टूबर को श्री भक्तामरजी पाठ द्वारा संपन्न होगा। जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है। यह संत निवास जैन समाज के योगदान के साथ श्री अजितकुमारजी पंचमलालजी (मढ़ियावालों) ने विशेष तन–मन–धन से सहयोग देकर सुंदर भवन का निर्माण करवाया है।

सुरेन्द्र डी. जैन, गोमतीपुर। अहमदाबाद नगर का प्राचीन अतिशयकारी श्री 1008 संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गोमतीपुर पर्यूषण पर्व के दौरान प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, सायंकाल नृत्यमय संगीत के साथ भव्य आरती हुई। वर्षों की परम्परानुसार दूज को श्रीजी की भव्य शोभायात्रा जुलूस के साथ पर्व संपन्न हुये। संपन्नता पं. श्री संजीवजी वरघुंवा व करैरा से पधारे संगीतकार श्री संतोषजी शर्मा व चतुरसेन द्वारा हुई।

इन्दौर में क्षमावाणी संपन्न

अनुपमा जैन, इन्दौर। पर्यूषण पर्व के समापन पश्चात रविवार को नगर में गोलालारीय समाज के एकमात्र मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय, न्यू देवास रोड़ पर सामूहिक क्षमावाणी का आयोजन किया गया। विगत दो दिनों से चल रही अनवरत् वर्षा के बावजूद कार्यक्रम में समाजजनों की भारी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मंगलाचरण से हुआ जिसे किरण जैन एवं संगीता जैन ने प्रस्तुत किया। समाज के स्थायी ट्रस्टी श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'सायकलवाले', श्री खुशालचंद जैन एवं श्री हरीशचंदजी जैन के स्वागत पश्चात समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मंदिरजी के जीर्णोद्धार की योजना से समाज को अवगत कराया तथा सभी से यथाशक्ति सहयोग देने का आव्हान किया। समाजजनों को विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु 'सामूहिक मोबाइल मैसेज' योजना का भी शुभारंभ किया गया। इसमें अब तक 250 सदस्यों को जोड़ा जा चुका है। अध्यक्ष महोदय ने इसे शीघ्र ही पूरे समाजजनों को पहुंचाने का आश्वासन दिया। समाज की निर्देशिका 'प्रयास' का नया संस्करण भी शीघ्र ही प्रकाशित किया जा रहा है। नये सदस्यों को शीघ्र ही इससे जुड़ने का अनुरोध भी आपने किया।

समाज की मूकबधिर बालिका रिया जैन का सफल आपरेशन समाज की महिलाओं के सहयोग द्वारा कराया गया जिसमें महिला मंडल की सचिव श्रीमती भारती जैन और 'स्तुति' महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना जैन के अथक प्रयासों से लगभग 7 लाख रुपये एकत्र किये गये। श्रीमती भारती जैन ने बालिका को समाज के सम्मुख प्रस्तुत किया जो क्रमश: स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रही है। श्रीमती भारती जैन एवं श्रीमती अर्चना जैन को इस सत्प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात प्रतिवर्ष की तरह कक्षा 1 से स्नातकोत्तर तक के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसमें गोलालारीय समाज न्यास की ओर से सभी छात्र छात्राओं को पुरस्कार विजया–अजयकुमार जैन, ललितपुर की ओर से एवं 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुपमा जैन ने किया। इसी तारतम्य में पर्यूषण पर्व के दौरान उपवास आदि करने वाले तपसाधकों का भी सम्मान किया गया। **श्रीमती पदमा राजेन्द्र कुमार जैन,** स्मृति नगर ने 25 उपवासों की आराधना कर पूरे समाज के लिये अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की, 5 से अधिक तपसाधना करने वाले श्रीमती शिल्पा जैन, श्री आनंद जैन, श्री नागेन्द्र जैन, श्रीमती अनिता जैन, श्रीमती रेशु जैन, श्रीमती अनिता जैन परदेशीपुरा, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती भारती जैन, श्री प्रदीपकुमार जैन, कु. भूमिका जैन, श्रीमती प्रेमा जैन, श्रीमती मीना जैन, श्री विमलकुमार जैन, श्री सौरभ जैन, श्रीमती विमला जैन एवं श्रीमती रेखा जैन का सम्मान बा.ब्र. अनिल भैयाजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंदिरजी के जीर्णोद्धार के पश्चात निमित्त होने पर मंदिरजी की नवीन आकृति के चित्र का अनावरण करा गया, अनवारण अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों के कर कमलों द्वार किया गया। क्षमावाणी कार्यक्रम में विशेष रुप से आमंत्रित मुख्य अतिथि बा.ब्र. श्री अनिलजी भैया ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में माता पिता और बच्चों के बीच संबंधों में अपनापन बढ़ाने पर जोर दिया। बच्चों में धार्मिक संस्कार, अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को समय समय पर प्रोत्साहित करते रहे। मुख्य अतिथि के उद्बोधन के पश्चात श्रीजी के अभिषेक संपन्न हुए। तत्पश्चात सभी समाजजनों ने परस्पर क्षमायाचना कर पर्व की सार्थकता पूरी की। स्वल्पाहार के पश्चात श्री विजयकुमार जैन ने आभार प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री सुदेश जैन फणीश ने किया।

समाज के गौरव

सिम्मी जैन

श्री सनतकुमार–सुमन जैन, विदिशा की सुपुत्री **सिम्मी जैन** ने एम.ए. (लोक प्रशासन) में किया। आपकी विशेष उपलब्धि – MPPSC में 7वीं रैंक पास कर वर्तमान में आप CTO वाणिज्य कर अधिकारी के रुप में भोपाल में पदस्थ है। आप अपनी सफलता का श्रेय संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज एवं परम पूज्यनीय 108 क्षमासागरजी महाराज के आशीर्वाद को एवं अपने माता–पिता, बहनों, मामाजी को देती है। आपने युवा वर्ग को अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि धैर्य, ईमानदारी, पवित्रा तथा आत्मविश्वास के साथ तैयारी करें । अपनी क्षमताओं में वृद्धि करें, हमेशा सकारात्मक रहें सफलता अवश्य मिलेगी।

बधाईयाँ...

श्री धन्यकुमार अरुणा जैन के पुत्र **अंकित जैन** जबलपुर ने सेंट्रल स्कूल से 12वीं की परीक्षा में 95% तथा आईआईआईटी इलाहाबाद से बी.टेक की परीक्षा में 10 पांईट से उत्तीर्ण की। वर्तमान में आप 'जूनीपर नेटवर्क' कंपनी बैंगलोर में हार्डवेयर इंजीनियर के पद पर पदस्थ है।

बधाईयाँ..

श्री सुनील जैन सुपुत्र श्री सुरेशचंद्रजी जैन को अवधेश प्रतापसिंह वि.वि. रीवा से 'शिक्षकों के कल्याण में शिक्षक संघो की भूमिका' विषय पर शोधकार्य हेतु पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। श्री सुनील जैन वर्तमान में आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ललितपुर में प्राचार्य पद पर कार्यरत है।

पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के अवसर पर विभिन्न मंदिरों में अनेक कार्यक्रम संपन्न हुये। सभी ने सांगानेर से पधारे विद्वानों द्वारा प्रवचनों का लाभ लिया। इसी श्रृंखला में दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में 'कौन बनेगा धर्म शिरोमणि' प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें **श्रीमती शशिप्रभा जैन (कमलाबाई)** ने सभी प्रश्नों के सही उत्तर देकर 'धर्म शिरोमणि' बनी। श्रीमती शशिप्रभाजी स्व. श्री मगनलालजी जैन रजवारावालों की पत्नी और श्री राजकुमार जैन की माताजी है। आप अत्यंत सरल स्वभावी, धार्मिक और विदुषी महिला है। गोलालारीय दर्शन की ओर से आपको बधाईयाँ। प्रेषक – श्री ज्ञानचंद जैन ललितपुर ।

कानपुर निवासी **श्रीमती सरला जयकुमार जैन** ने दशलक्षण पर्व के 10 व्रतों की तपसाधना की है। आप धार्मिक प्रवृत्ति की सरल स्वभावी महिला है। गोलालारीय दर्शन परिवार आपकी इस धर्म प्रभावना का सम्मान करता है। प्रेषक – आनोद जैन, कानपुर।

बिदाई समारोह

डॉ. पी.सी. जैन ने अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सपरिवार बैंगलोर अपने सुपुत्र के पास स्थायी निवास बनाने का निर्णय लिया। गंजबासौदा गोलालारीय समाज के अध्यक्ष शांतिकुमार जैन के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी के सभी सदस्यों द्वारा शाल, श्रीफल व फूल मालाओं द्वारा उनका स्वागत सम्मान किया गया। पी.सी. जैन सा. के स्वागत सम्मान में श्री शिखरचंदजी 'शिखर' द्वारा निर्मित एक कविता का पाठ किया गया।